CEAT profit skids 41% to ₹122 cr

RPG Group owned tyre company CEAT, on Thursday posted a 41.4 per cent decline in profit after tax (PAT) for the second quarter FY25 (Q2FY25) while its consolidated revenue from operations grew by 8.23 per cent during the period.

The consolidated PAT in Q2FY25 stood at ₹121.88 crore, while the revenue from operations came in at ₹3,304.53 crore. The revenue from operations grew on the back of good performance in the replacement and international sectors. Sequentially, the revenue from operations grew by 3.49 per cent.

CEAT took selective price increases during the quarter that offset part of the cost impact which were caused due to increased rubber prices. **BS REPORTER**

Ceat profit falls 42% in Sept qtr

TYRE MAKER CEAT reported a 42% y-o-y decline in consolidated net profit for the quarter ended September 30, at ₹121 crore, due to a steep 23% rise in cost of materials consumed. Revenue grew 8% to ₹3,305 crore during the quarter as against the same quarter last year.

— FE BUREAU

NEW DELHI

Ceat Q2 net profit declines 42% to ₹121 cr

Tyre maker Ceat on Thursday said its consolidated profit after tax declined 42 per cent year-on-year to Rs 121 crore for the second quarter ended September 2024 on account of an increase in commodity prices. The company reported a profit after tax of Rs 208 crore in the July-September period of the last fiscal. Its revenue from operations rose to Rs 3,304 crore for the second quarter compared to Rs 3,053 crore in the year-ago period, Ceat said in a regulatory filing. On a standalone basis, the company reported a PAT of Rs 136.5 crore.

NEW DELHI

Ceat Q2 net profit declines 42% to ₹121 cr

Tyre maker Ceat on Thursday said its consolidated profit after tax declined 42 per cent year-on-year to Rs 121 crore for the second quarter ended September 2024 on account of an increase in commodity prices. The company reported a profit after tax of Rs 208 crore in the July-September period of the last fiscal. Its revenue from operations rose to Rs 3,304 crore for the second quarter compared to Rs 3,053 crore in the year-ago period, Ceat said in a regulatory filing. On a standalone basis, the company reported a PAT of Rs 136.5 crore.

सिएट के सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत घटकर ₹ 121 करोड़

नयी दिल्ली । टायर विनिर्माता कंपनी सिएट का एकीकृत शुद्ध लाभ जिंस की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 42 प्रतिशत घटकर 121 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 208 करोड़ रुपये रहा था। सिएट ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय बढ़कर 3,304 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,053 करोड़ रुपये थी। एकल आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 136.5 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 199 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आमदनी एकल आधार पर सितंबर तिमाही में 3,298 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,043 करोड़ रुपये थी।

सिएट का सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत घटकर 121 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली/एजेंसी। टायर विनिर्माता कंपनी सिएट का एकीकृत शुद्ध लाभ जिंस की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 42 प्रतिशत घटकर 121 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 208 करोड़ रुपये रहा था। सिएट ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय बढ़कर 3,304 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,053 करोड़ रुपये थी।

एकल आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 136.5 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 199 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आमदनी एकल आधार पर सितंबर तिमाही में 3,298 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,043 करोड़ रुपये थी।

सिएट के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्नब बनर्जी ने कहा, इस तिमाही में हमारी अबतक की सर्वाधिक आमदनी रही है। इसमें मुख्य रूप से हमारे प्रतिस्थापन और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों नें मजबूत प्रदर्शन का योगदान है। जिंस की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे मार्जिन पर असर पड़ा है। ३उन्होंने कहा कि कंपनी ने तिमाही के दौरान चुनिंदा मूल्य वृद्धि की, जिससे लागत प्रभाव का कुछ हिस्सा संतुलित हो गया।